STIR शिक्षा

"*अपने १६ साल के करियर में, मैंने कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है, दूसरे सहकर्मियों के साथ.*
ऐसे प्रशिक्षण में वे हमेशा शिक्षकों को कुछ न कुछ सिखाने का प्रयास करते हैं.
ये प्रशिक्षण "ग्राउंड रियालिटीज़" (बुनियादी वास्तविकताओं) के साथ समन्वित नहीं प्रतीत होते, और इसलिए इन्हें कार्यान्वित करना कठिन है; इस कारण शिक्षकों के प्रशिक्षण हॉल से बाहर निकलते ही वे अपना अर्थ खो देते हैं."

यद्यपि ये शब्द भारत के कानपुर नगर के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका सीमा द्वारा बोले गए थे, वे इतनी ही आसानी से कम्पाला, केंट या कुआला लुम्पुर के किसी शिक्षक द्वारा भी बोले जा सकते थे.

विश्व भर में, हर साल शिक्षक घंटे पे घंटे प्रशिक्षण सत्रों में बिताते हैं, जो उनकी "क्लासरूम प्रैक्टिस" में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं लाती है.

प्रशिक्षण कितना ही रोचक क्यों न हो, या प्रशिक्षक प्रतिभावान, शिक्षकों को केवल नया ज्ञान देने से प्रैक्टिस में परिवर्तन लाने की संभावना सीमित है.

इसलिए, शिक्षकों की आंतरिक प्रेरणा को पुनः प्रज्ज्वलित करने और बनाए रखने के लिए STIR शिक्षा में हम भारत और यूगांडा की सरकारी शिक्षा व्यवस्थाओं के साथ सहभागिता के साथ काम करते हैं.

हम केवल इस बात पर ध्यान नहीं केंद्रित करते कि शिक्षकों को क्या जानने की आवश्यकता है, पर इस बात पर कि कैसे उन्हें सचमुच अपनी "क्लासरूम प्रैक्टिसेज" बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए.

सीमा की टिपण्णी कि "बुनियादी वास्तविकताओं" से सम्बन्ध जोड़े बिना ज्ञान को "कार्यान्वित करना कठिन होगा", STIR में हमारे समूचे अनुभव के साथ प्रतिध्वनित होती है.

हज़ारों शिक्षकों ने हमें बताया है कि जब वे अपने बच्चों को सीखते *देखते* हैं और खुद को शिक्षकों के रूप में प्रभावी *अनुभव* करते हैं, तब ये 'लाइटबल्ब' क्षण ही सचमुच उन्हें सुधार लाने की प्रेरणा देते हैं.

हार्वर्ड के प्रोफेसर और व्यवहार परिवर्तन के मुख्य विशेषज्ञ John P Kotter समझाते हैं कि "विश्लेषण करो, विचार करो और परिवर्तन लाओ" की प्रक्रिया शायद ही कभी लोगों को बदलने की प्रेरणा देती है.

एक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें शिक्षक केवल अध्यापन-शास्त्र के किसी विशेष पहलू पर व्याख्यान सुनते हैं और फिर उसके गुणों पर विचार करते हैं, उसका परिणाम उनका अगले सोमवार की सुबह अलग ढंग से पढ़ाना असम्भाव्य है.

इसके बजाए, Kotter का सुझाव है "देखो, अनुभव करो, और परिवर्तन लाओ" की प्रक्रिया, जिसमें परिवर्तन की आवश्यकता या संभावना का अनुभव वास्तविक और महत्वपूर्ण बन जाता है.

TESS-India के साथ STIR की सहभागिता के माध्यम से, हम अपने शिक्षक नेटवर्क में "देखो, अनुभव करो, और परिवर्तन लाओ" का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं.

अब हम - जब भी संभव हो - शिक्षकों को नई कार्य-पद्धति से परिचित कराते समय शुरुआत में TESS-India की फ़िल्में दिखाते हैं, जिनमें शिक्षक विशेष 'क्लासरूम प्रैक्टिसेज' प्रदर्शित करते हैं.

सीमा जैसे शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए, इन फिल्मों को देखना, जहाँ शिक्षक नई और अलग कार्य-पद्धतियों को प्रदर्शित करते हैं - उसकी भाषा बोलते हुए और ऐसी कक्षाओं में जो उसकी अपनी कक्षा जैसी दिखती हैं - प्रेरणादायक और वास्तविक, दोनों हैं.

फिल्म देखने के बाद, शिक्षक अपनी कक्षाओं में नई 'प्रैक्टिसेज' को परखते हैं - *अनुभव* करते हैं - और फिर अगली 'नेटवर्क मीटिंग' में साथ-साथ उस अनुभव पर चिंतन करते हैं.

कुछ नया परखने और (कम से कम कभी-कभार) अपने बच्चों के सीखने पर उसके प्रभाव को देखने और अनुभव करने का यह साझा अनुभव कुछ नया परखने, परिवर्तन देखने और प्रेरित महसूस करने के 'वर्चुअस साइकल' को जन्म देता है.

जैसा सीमा कहती है, "प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण" में मात्र उपस्थित होने की तुलना में, हमारे प्रशिक्षण सत्रों के बाद उसने हमें बताया कि वह अंतर को *अनुभव* कर पा रही थी.

और यह अनुभव करना ही है, जो परिवर्तन लाने और शिक्षा में सुधार लाने के लिए मायने रखता है.

James Townsend, चीफ प्रोग्राम अफसर, STIR एजुकेशन

STIR एक ऐसी दुनिया की कल्पना करता है, जहाँ हर बच्चा एक आंतरिक रूप से प्रेरित शिक्षक पाए.

सरकारों के साथ सहभागिता के द्वारा, हमारा लक्ष्य है कि हम २०२० तक शिक्षकों की आंतरिक प्रेरणा में वृद्धि लायें और (इस प्रकार) १.५ मिलियन शिक्षकों की 'क्लासरूम प्रैक्टिस' में सुधार और ६० मिलियन बच्चों की शिक्षा में गतिवृद्धि लायें.